हरित और डिजिटल
विकास का आधार

यूएनएसडीजी:

कार्यनीतिक स्तंभ:

1 2 3 4 5 6 7

महत्वपूर्ण विषय

1, 5, 6, 7, 8, 9, 14, 18, 20, 23, 25, 26, 30, 33, 36, 39, 42, 43

कारोबार मॉडल कैनवस:

1 2 3 4 5 6 7 8 9

जीआरआई संरेखण

201-1, 201-2, 201-3, 201-4, 203-1, 203-2, 301-1, 302-1, 302-5, 305-1

जीआरआई

201-1, 201-2, 301-1, 302-1, 305-1

सुदृढ़ वित्तीय कार्यनिष्पादन: हमारा शुद्ध लाभ 61.84% बढ़कर ₹13,648 करोड़ हो गया, जिससे निरंतर वृद्धि और भविष्य के निवेश के लिए एक ठोस आधार तैयार हुआ. इस उल्लेखनीय वित्तीय उपलब्धि के पीछे की प्रेरक शक्तियों" को जानें.

वित्तीय वर्ष 2024 में हमारा उत्कृष्ट वित्तीय कार्यनिष्पादन हमारी कार्यनीतिक प्राथमिकताएं संवहनीयता और डिजिटल उत्कृष्टता के लिए एक ठोस आधार स्थापित करता है. यह उपलब्धि एक स्वस्थ, वृद्धिशील संगठन को इंगित करती है, जो कारोबार की निरंतरता सुनिश्चित करती है और भविष्य के निवेशों के लिए संसाधन प्रदान करती है. संवहनीयता में, ये संसाधन हरित परियोजनाओं को वित्तपोषित करते हैं, वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देते हैं, और नवीकरणीय ऊर्जा एवं एसएमई जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों का समर्थन करते हैं. बढ़ी हुई शुद्ध ब्याज आय हमारे लक्ष्यों के अनुरूप, वंचित समुदायों के लिए पर्यावरण-अनुकूल पहलों तथा किफायती सेवाओं के लिए ऋणों को और अधिक निधि दे सकती है.

हमारी वृद्धि एवं दक्षता उच्च लाभ को सक्षम बनाती है, जिसका एक हिस्सा हम अत्याधुनिक डिजिटल तकनीकों में पुनर्निवेश करते हैं. जैसे-जैसे बैंकिंग उद्योग डिजिटल रूप से बदल रहा है, ये निवेश अनुकूलन और प्रतिस्पर्धी बने रहने के लिए आवश्यक हैं. बढ़ती गैर-ब्याज आय राजस्व में विविधता लाने, एआई, ब्लॉकचेन और साइबर सुरक्षा निवेश का समर्थन करने की हमारी क्षमता को दर्शाती है. यह डिजिटल परिवर्तन स्वचालन तथा डेटा एनालिटिक्स के माध्यम से ग्राहक अनुभव और परिचालन दक्षता को बढ़ाता है, जिससे निरंतर वित्तीय सुधार को बढ़ावा मिलता है.

हमारा कार्यनिष्पादन

वित्तीय वर्ष 2024 के लिए यूनियन बैंक की वित्तीय पूंजीगत कार्यनीति संवहनीयता, डिजिटल परिवर्तन का लाभ उठाने और वित्तीय समावेशन को बढ़ाने पर केंद्रित थी. बैंक का लक्ष्य ईएसजी सिद्धांतों को शामिल करके, संवहनीयता लक्ष्यों के साथ संरेखित करके और परिचालन दक्षता एवं ग्राहक सेवा को बढ़ावा देने के लिए डिजिटल तकनीकों का उपयोग करके अग्रिम तथा जमा राशि बढ़ाना, लाभप्रदता में सुधार करना और सुदृढ़ आस्ति गुणवत्ता बनाए रखना है. बैंक का मजबूत वित्तीय कार्यनिष्पादन, लाभांश भुगतान, कारोबार वृद्धि और जोखिम प्रबंधन सुधार इसकी सफल कार्यनीति कार्यान्वयन तथा भविष्य की तत्परता को उजागर करते हैं. संवहनीयता, डिजिटल नवोन्मेष और ग्राहक-केंद्रित सेवाओं पर अपने फोकस के साथ, यूनियन बैंक मजबूत आस्ति गुणवत्ता बनाए रखते हुए अपने विकास उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए बेहतर स्थिति में है.

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया जलवायु परिवर्तन के कारण होने वाले उसके वित्तीय स्थिरता एवं दीर्घकालिक संवहनीयता पर पड़ने वाले गहरे प्रभाव को स्वीकार करता है. बैंक जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न वित्तीय प्रभावों तथा संबंधित जोखिमों का सक्रिय रूप से आकलन कर रहा है, जिसमें बढ़ी हुई विनियामक आवश्यकताएँ, आस्तियों के लिए भौतिक जोखिम और बाजार की गतिशीलता में बदलाव शामिल हैं. इन चुनौतियों के जवाब में, यूनियन बैंक हरित परियोजनाओं को वित्तपोषित करने, नवीकरणीय ऊर्जा पहलों का समर्थन करने और पर्यावरण की दृष्टि से संवहनीय वित्तीय उत्पाद विकसित करने के अवसरों का लाभ उठा रहा है. अपनी कार्यनीतिक योजना तथा जोखिम प्रबंधन ढांचे

में जलवायु जोखिम संबंधी विचारों को एकीकृत करके, बैंक न केवल संभावित प्रतिकूल प्रभावों को कम कर रहा है, बल्कि संवहनीय वित्त में अग्रणी के रूप में स्वयं को स्थापित कर रहा है. यह सक्रिय दृष्टिकोण जीआरआई 201-2 के साथ संरेखित है, जो जलवायु संबंधी जोखिमों का समाधान करने एवं आघात-सहनीयता और संवहनीय विकास के अवसरों का लाभ उठाने के लिए यूनियन बैंक की प्रतिबद्धता को दर्शाता है.

वित्तीय कार्यनिष्पादन

यूनियन बैंक ने वित्तीय वर्ष 2024 में मजबूत वित्तीय कार्यनिष्पादन किया. बैंक ने वित्तीय वर्ष 2023 में ₹8,433 करोड़ से बढ़कर ₹13,648 करोड़ का शुद्ध लाभ दर्ज किया, जो 61.84% की उल्लेखनीय वृद्धि दर्शाता है. यह प्रभावशाली वृद्धि बढ़ी हुई शुद्ध ब्याज आय (एनआईआई) के कारण हुई, जो पिछले वित्तीय वर्ष में ₹32,765 करोड़ से बढ़कर ₹36,570 करोड़ हो गई, जो 11.61% की वृद्धि दर्शाती है.

मैट्रिक	वित्तीय वर्ष 2023 (₹ करोड़ में)	वित्तीय वर्ष 2024 (₹ करोड़ में)	वर्ष दर वर्ष(%)	बदलाव में वृद्धि (₹ करोड़ में)
निवल लाभ	8,433	13,648	61.84%	+5,215
निवल ब्याज आय (एनआईआई)	32,765	36,570	11.61%	+3,805

बैंक के लाभप्रदता अनुपात में भी उल्लेखनीय सुधार हुआ. आस्तियों पर प्रतिफल (आरओए) वित्तीय वर्ष 2023 में 0.69% से बढ़कर 1.03% हो गया, जबकि इक्विटी पर प्रतिफल (आरओई) 13.26% से बढ़कर 15.58% हो गया. ये आंकड़े लाभ कमाने के लिए अपनी आस्तियों और इक्विटी का उपयोग करने में बैंक की बढ़ी हुई दक्षता तथा प्रभावशीलता को रेखांकित करते हैं.

मैट्रिक	वित्तीय वर्ष 2023	वित्तीय वर्ष 2024	बदलाव (बीपीएस)
आरओए	0.69%	1.03%	+34
आरओई	13.26%	15.58%	+232

लाभांश की घोषणा

यूनियन बैंक ने वित्तीय वर्ष 2024 के लिए प्रति शेयर ₹3.60 का लाभांश प्रस्तावित किया है, जिसके परिणामस्वरूप कुल प्रस्तावित लाभांश भुगतान ₹2748 करोड़ होगा. यह पिछले वित्तीय वर्ष के ₹2050 करोड़ के भुगतान से अधिक है, जो बैंक की सुदृढ़ वित्तीय स्थिति और अपने शेयरधारकों को पुरस्कृत करने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है.

मैट्रिक	वित्तीय वर्ष 2023	वित्तीय वर्ष 2024	बदलाव
लाभांश प्रति शेयर (₹)	3.00	3.60	+0.60
कुल लाभांश भुगतान (₹)	2,050	2,748	+698

कारोबार वृद्धि

यूनियन बैंक ने वित्तीय वर्ष 2024 में अपने कारोबार खंडों में सुदृढ़ वृद्धि की है. कुल अग्रिम राशि में वर्ष-दर-वर्ष 11.73% की वृद्धि हुई, जो ₹9.05 ट्रिलियन तक पहुंच गई, जबकि कुल जमा राशि में वर्ष-दर-वर्ष 9.29% की वृद्धि हुई, जो ₹12.21 ट्रिलियन तक पहुंच गई.

वित्तीय वर्ष 2024 के लिए विभिन्न खंडों में वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि

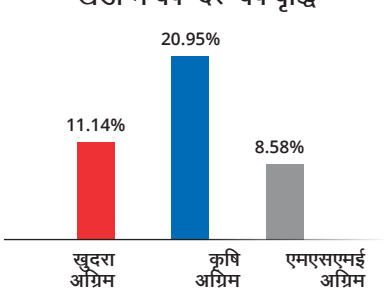

हमने विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय वृद्धि देखी:
- खुदरा अग्रिम: 11.14% वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि.
- कृषि अग्रिम: 20.95% वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि.
- एमएसएमई अग्रिम: 8.58% वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि.

वित्तीय वर्ष 2024 के लिए खंडों में कुल अग्रिम

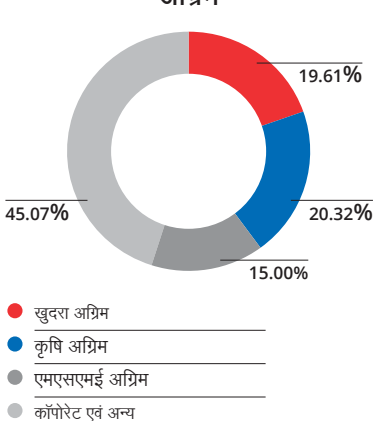

आस्ति गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार: सकल एनपीए घटकर 4.76% और शुद्ध एनपीए घटकर 1.03% रह गया है, बेहतर आस्ति गुणवत्ता एवं सुदृढ़ जोखिम प्रबंधन प्रथाओं के प्रति हमारी प्रतिबद्धता पहले कभी इतनी मजबूत नहीं रही. जाने कि हम कैसे मजबूत तुलन पत्र सुनिश्चित कर रहे हैं.

खंड	वित्तीय वर्ष 2023 (₹ करोड़ में)	वित्तीय वर्ष 2024 (₹ करोड़ में)	वर्ष दर वर्ष वृद्धि (%)	बदलाव (₹ करोड़ में)
खुदरा अग्रिम	159,702	177,488	11.14%	+17,786
कृषि अग्रिम	151,993	183,833	20.95%	+31,840
एमएसएमई अग्रिम	125,022	135,748	8.58%	+10,726

श्रेणी	विनियामक लक्ष्य	उपलब्धि	से अधिक है
कृषि अग्रिम	समायोजित निवल बैंक ऋण का 18% (एएनबीसी)	एएनबीसी का 20.95%	2.95%
प्राथमिकत प्राप्त क्षेत्र के अग्रिम	एएनबीसी का 40%	एएनबीसी का 42.31% (यथा मार्च, 2023 तक)	2.31%
लघु एवं सीमांत कृषक	एएनबीसी का 9.50%	एएनबीसी का 13.33%	3.83%
कमजोर वर्ग	एएनबीसी का 11.50%	एएनबीसी का 16.62%	5.12%

समायोजित निवल बैंक ऋण (एएनबीसी) एक ऐसा उपाय है जिसका उपयोग विनियामक प्राधिकारियों जैसे भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा ऋण लक्ष्यों के साथ विशेष रूप से प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र के ऋण के संबंध में बैंक के अनुपालन का आकलन करने के लिए किया जाता है. ये उपलब्धियाँ विनियामक अनुपालन एवं प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र के ऋण के प्रति बैंक की प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं, जो ठोस वृद्धि तथा अनिवार्य लक्ष्यों के प्रति समर्थन को दर्शाती हैं.

संवहनीयता पहल

यूनियन बैंक ने संवहनीयता पर केंद्रित विभिन्न उत्पाद और सेवाओं की शुरुआत की है. उल्लेखनीय रूप से, बैंक ने नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र को ₹23,059 करोड़ की ऋण सुविधाएँ प्रदान कीं और इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए यूनियन ग्रीन माइल्स कार्यक्रम के तहत ₹462 करोड़ मंजूर किए. ये पहल अपनी वित्तपोषण गतिविधियों के माध्यम से पर्यावरणीय संवहनीयता को बढ़ावा देने के लिए बैंक की प्रतिबद्धता को दर्शाती है.

डिजिटल परिवर्तन

डिजिटल परिवर्तन यूनियन बैंक की कार्यनीति का एक महत्वपूर्ण घटक रहा है. 400 से अधिक सुविधाओं की पेशकश करने वाले व्योम ऐप की शुरुआत ने ग्राहक जुड़ाव और सेवा वितरण को काफी हद तक बढ़ाया. इसके अलावा, डिजिटल ऋण समाधानों ने डिजिटल कारोबार में ₹8,300 करोड़ से अधिक जुटाने में सहायता की, जो कारोबार विकास के लिए प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने की बैंक की क्षमता को दर्शाता है.

पहल	प्रभाव
व्योम ऐप	ग्राहक सहभागिता एवं सेवा वितरण में वृद्धि.
डिजिटल लेंडिंग सोल्यूशन	₹8,300 करोड़ से अधिक धनराशि जुटाई गई.

जोखिम प्रबंधन

यूनियन बैंक ने वित्तीय वर्ष 2024 में आस्ति गुणवत्ता और जोखिम प्रबंधन प्रथाओं में सुधार करने में महत्वपूर्ण प्रगति की है. वित्तीय वर्ष 2023 में सकल एनपीए अनुपात 7.53% से सुधार होकर 4.76% हो गया, और न्यूतीकरण एनपीए अनुपात 1.70% से घटकर 1.03% हो गया. ये सुधार ऋण जोखिम के प्रबंधन एवं शमन में बैंक के प्रभावी उपायों को दर्शाते हैं.

20.95%

कृषि अग्रिम में 20.95% की वर्ष-दर-वर्ष हुई, जो कृषि क्षेत्र को समर्थन देने के लिए पर्याप्त वृद्धि और प्रतिबद्धता को दर्शाता है.

+₹31,840 करोड़

कृषि अग्रिम में ₹ 31,840 करोड़ की वृद्धि हुई, कृषि उत्पादकता और विकास को बढ़ावा देने के लिए ऋण मे उल्लेखनीय वृद्धि को दर्शाता है.

मैट्रिक	वित्तीय वर्ष 2023	वित्तीय वर्ष 2024	बदलाव (बीपीएस)
सकल एनपीए अनुपात	7.53%	4.76%	-277
निवल एनपीए अनुपात	1.70%	1.03%	-67

बैंक ने धोखाधड़ी को रोकने के लिए प्रारंभिक चेतावनी संकेतों एवं तत्काल लेनदेन निगरानी के लिए पूर्वानुमान विश्लेषण को शामिल करके अपने जोखिम प्रबंधन ढांचे को भी संवर्धित किया है.

भविष्य का परिदृश्य

आगे बढ़ते हुए, यूनियन बैंक की भविष्य की कार्यनीतियों में संवहनीय विकास पर निरंतर ध्यान केंद्रित करना, डिजिटल प्रौद्योगिकियों में और अधिक निवेश, हरित वित्तपोषण विकल्पों का विस्तार और ग्राहक-केंद्रित सेवाओं को बढ़ाना शामिल है. इन पहलों का उद्देश्य मजबूत आस्ति गुणवत्ता को बनाए रखते हुए अग्रिम एवं जमा में वृद्धि को बढ़ावा देना है.

वित्तीय पूंजी

संवहनीय विकास पर निरंतर ध्यान: यूनियन बैंक दीर्घकालिक संवहनीयता सुनिश्चित करने के लिए अपने परिचालन को ईएसजी सिद्धांतों के साथ संरेखित करना जारी रखेगा. इसमें अपने ग्रीन वित्तपोषण पोर्टफोलियो को बढ़ाना और पर्यावरण संरक्षण तथा सामाजिक कल्याण में योगदान देने वाली परियोजनाओं का समर्थन करना शामिल है.

डिजिटल प्रौद्योगिकियों में और निवेश: बैंक परिचालन दक्षता एवं ग्राहक सेवा को बेहतर बनाने के लिए संवर्धित डिजिटल प्रौद्योगिकियों में निवेश करने की योजना बना रहा है. इसमें डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म को अपग्रेड करना और ग्राहकों की बदलती ज़रूरतों को पूरा करने के लिए नए डिजिटल उत्पाद की शुरुआत करना शामिल है.

ग्रीन वित्तपोषण विकल्पों का विस्तार: यूनियन बैंक अधिक नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं और अन्य संवहनीयता पहलों का समर्थन करने के लिए अपने ग्रीन वित्तपोषण विकल्पों का विस्तार करेगा. इससे पर्यावरणीय प्रभाव को कम करने और कम कार्बन अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी.

ग्राहक-केंद्रित सेवाओं में वृद्धि: बैंक का लक्ष्य अधिक ग्राहक-केंद्रित दृष्टिकोण अपनाकर अपनी ग्राहक सेवा को मजबूत करना है. इसमें वैयक्तिक वित्तीय समाधान, बेहतर ग्राहक सहायता और ग्राहकों की ज़रूरतों को बेहतर ढंग से समझने एवं पूरा करने के लिए डेटा एनालिटिक्स का लाभ उठाना शामिल है.

वित्तीय वर्ष 2024 हेतु मुख्य वित्तीय विशेषताएँ

जमा वृद्धि
9.29%

रैम अग्रिम वृद्धि
13.82%

अग्रिम वृद्धि
11.73%

सीआरएआर
16.97%
+93 बीपीएस वर्ष दर वर्ष

एनएनपीए
1.03%
-67 बीपीएस वर्ष दर वर्ष

एनआईएम
3.10%
+3 बीपीएस वर्ष दर वर्ष

पीसीआर
92.69%
+235 बीपीएस वर्ष दर वर्ष

परिचालन लाभ
₹28,211 करोड़
+10.77% वर्ष दर वर्ष

शुद्ध लाभ
₹13,648 करोड़
+61.84% वर्ष दर वर्ष

जीएनपीए
4.76%
-277 बीपीएस वर्ष दर वर्ष

ब्याज आय वृद्धि
23.57%
+473 बीपीएस वर्ष दर वर्ष

सुदृढ़ दायित्व प्रबंधन

वित्तीय वर्ष 2024 में, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित करने और अपनी पूंजीगत संरचना को अनुकूलित करने के लिए अपने दायित्व प्रबंधन ढांचे को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया है. बैंक की सुदृढ़ दायित्व प्रबंधन कार्यनीतियों ने जमा वृद्धि, कासा अनुपात, ऋण-जमा अनुपात और आस्ति गुणवत्ता सहित प्रमुख वित्तीय मेट्रिक में उल्लेखनीय सुधार किया है. ये उपलब्धियाँ वित्तीय स्थिरता, लागत प्रभावी निधीयन और संवहनीय विकास के लिए बैंक की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती हैं.

जीआरआई

201, 203, 207

जमा और जमा से ऋण अनुपात (वित्तीय वर्ष 2020 – वित्तीय वर्ष 2024)

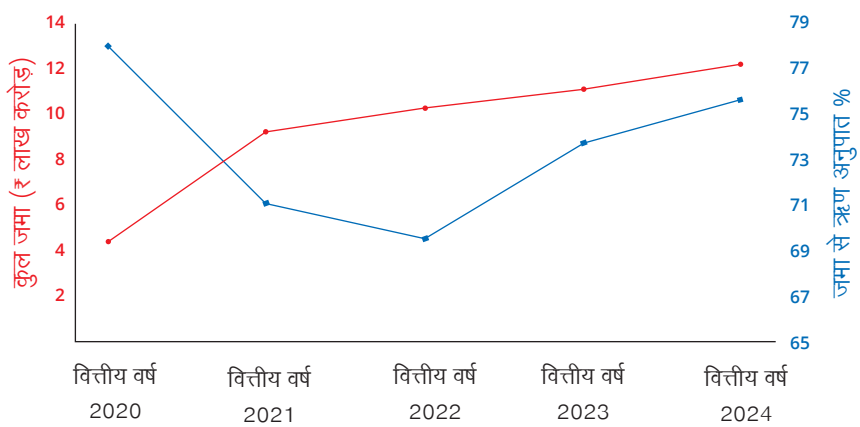

विगत कुछ वर्षों में जमाराशियों में लगातार वृद्धि से पता चलता है कि यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने कार्यनीतिक पहलों, नए उत्पादों की पेशकश और ग्राहकों के विश्वास में वृद्धि के कारण ग्राहकों से अधिक निधि आकर्षित करने में सफलता प्राप्त की है. वर्धित ऋण-जमा अनुपात इस तथ्य को रेखांकित करता है कि बैंक न केवल अपने जमा आधार का विस्तार कर रहा है, बल्कि इन निधियों का कुशलतापूर्वक उपयोग ऋण प्रदान करने हेतु भी कर रहा है, जिससे लाभप्रदता और पर्याप्त चलनिधि का संतुलन बना हुआ है. दोनों संकेतक में वृद्धि होने से बैंक को सुदृढ़ वित्तीय स्थिति प्राप्त करने में सहायता मिलती है, जो अधिक जमाराशियाँ एकत्र करने और इन निधियों को ऋण के रूप में प्रभावी ढंग से लगाने की इसकी क्षमता को दर्शाता है, जिससे समग्र विकास और वित्तीय स्थिरता में योगदान मिलता है. यह यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के राजकोषीय प्रबंधन प्रथाओं की पुष्टि भी दर्शाता है, जो एक मजबूत विकास पथ और संसाधनों के प्रभावी उपयोग का संकेत है.

बैंक का वित्तीय डेटा, वित्तीय वर्ष 2020 वित्तीय वर्ष 2024

	कुल जमा (₹ करोड़ में)	कासा जमा (₹ करोड़ में)	ऋण जमा अनुपात (%)	सकल एनपीए अनुपात (%)
वित्तीय वर्ष 2020*	4,50,668	1,60,373	78.00	14.15
वित्तीय वर्ष 2021	9,23,805	3,35,592	71.06	13.74
वित्तीय वर्ष 2022	10,32,392	3,77,193	69.60	11.11
वित्तीय वर्ष 2023	11,17,716	3,94,055	73.74	7.53
वित्तीय वर्ष 2024	12,21,528	4,10,134	75.65	4.76

* स्टैंडअलोन यूबीआई

मुख्य विशेषताएँ:

1. **कुल जमाराशि:** बैंक की कुल जमा राशि में निरंतर वृद्धि हो रही है, जो वित्तीय वर्ष 2024 में रु.12,21,528 करोड़ तक पहुंच गई है, जबकि वित्तीय वर्ष 2023 में रु. 11,17,716 करोड़ थी.
2. **कासा जमाराशि:** कासा जमा, जो कुल जमा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, वित्तीय वर्ष 2024 में रु.4,10,134 करोड़ रहा, जो कम लागत वाले वित्तपोषण स्त्रोतों पर केंद्रित दृष्टिकोण को दर्शाता है.
3. **ऋण–जमा अनुपात:** ऋण-जमा अनुपात वित्तीय वर्ष 2023 में 73.74% से बढ़कर वित्तीय वर्ष 2024 में 75.65% हो गया, जो ऋण वृद्धि एवं जमा जुटाने के बीच एक कार्यनीतिक संतुलन का संकेत है.
4. **सकल एनपीए अनुपात:** सकल एनपीए अनुपात में उल्लेखनीय सुधार हुआ है, जो वित्तीय वर्ष 2023 में 7.53% से घटकर वित्तीय वर्ष 2024 में 4.76% हो गया है, जो संवर्धित आस्ति गुणवत्ता और प्रभावी जोखिम प्रबंधन प्रथाओं को दर्शाता है.

"

संवहनीयता के प्रति प्रतिबद्धताः नवीकरणीय ऊर्जा में ₹23,059 करोड़ का निवेश और इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए ₹462 करोड़ की मंजूरी देकर, यूनियन बैंक हरित भविष्य की दिशा में अग्रणी भूमिका निभा रहा है. जानें कि हमारी संवहनीयता पहल किस तरह से बदलाव ला रही है.

यूनियन बैंक ऑफ इंडियाः सकल एनपीए अनुपात

कार्यनीतिक पहल

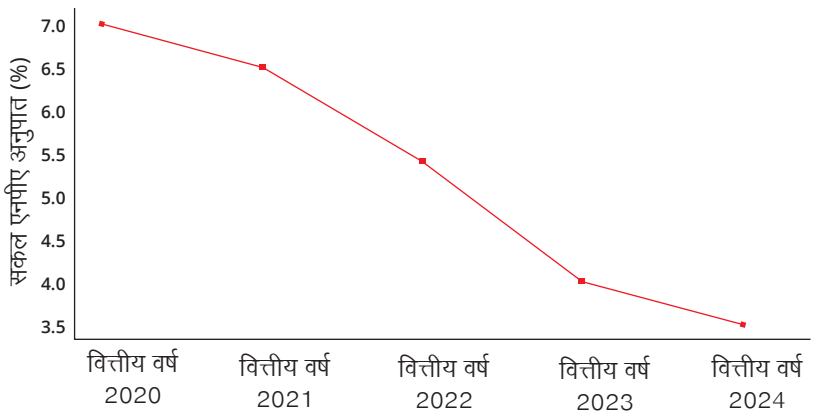

1. **फंडिंग स्रोत का विविधीकरण**
   उच्च लागत वाले उधार पर निर्भरता कम करने और निधि की लागत में सुधार करने के लिए, बैंक ने लक्षित उत्पादों और ग्राहक जुड़ाव कार्यनीतियों के माध्यम से कासा जमा में वृद्धि करने पर ध्यान केंद्रित किया. "यूनियन समृद्धि" और "यूनियन उड़ान" जैसी पहलों ने विशिष्ट ग्राहक वर्गों को काफी आकर्षित किया है.

2. **संवर्धित जोखिम प्रबंधन**
   सकल एनपीए अनुपात में उल्लेखनीय कमी बैंक की सुदृढ़ जोखिम प्रबंधन प्रथाओं के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है. यह सशक्त ऋण अनुश्रवण, दवाबग्रस्त आस्तियों के समय पर समाधान तथा बेहतर हमादारी अंकन मानकों के माध्यम से हासिल किया गया.

3. **इष्टतम पूंजीगत संरचना**
   ऋण-जमा अनुपात में वृद्धि का रुझान प्रभावी पूंजी उपयोग को दर्शाता है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि बैंक विकास और चलनिधि के बीच एक मजबूत संतुलन बनाए रखता है. इस कार्यनीतिक दृष्टिकोण ने बैंक की लाभप्रदता एवं वित्तीय संवहनीयता में वृद्धि की है.

4. **तकनीकी प्रगति**
   उन्नत विश्लेषण और डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म अपनाने से दायित्व की बेहतर ट्रैकिंग एवं प्रबंधन संभव हुआ है. इसमें तत्काल जमा प्रवाह और बहिर्वाह की निगरानी, ग्राहक व्यवहार के लिए पूर्वानुमानित विश्लेषण और स्वचालित जोखिम मूल्यांकन साधन शामिल है.

जीआरआई

201-1, 203-1, 203-2

तीव्र कारोबार वृद्धि

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की प्रभावशाली कारोबार वृद्धि इसकी व्यापक राष्ट्रव्यापी पहुंच पर आधारित है, जिसमें 8,466 शाखाएँ एवं 8,982 एटीएम शामिल हैं. यह विस्तृत नेटवर्क वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देता है और विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों एवं सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि में विविध ग्राहक आधार को सेवा प्रदान करते हुए संवहनीय आर्थिक विकास को बढ़ावा देता है. दूरदराज के क्षेत्रों में भी आवश्यक बैंकिंग सेवाओं तक पहुँच सुनिश्चित करने की हमारी प्रतिबद्धता सामाजिक-आर्थिक विकास को बढ़ावा देने और गरीबी को कम करने में हमारी महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करती है.

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की त्वरित कारोबार वृद्धि ने, जो इसकी व्यापक भौतिक एवं डिजिटल उपस्थिति द्वारा समर्थित है, इसके वित्तीय पूंजीगत संसाधनों को महत्वपूर्ण रूप से मजबूत किया है. ग्राहक जुड़ाव, संवहनीय वित्तपोषण और प्रभावी जोखिम प्रबंधन पर कार्यनीतिक ध्यान यह सुनिश्चित करता है कि बैंक भविष्य में संवहनीय आर्थिक विकास का समर्थन करने के लिए आघात-सह, लाभदायी और पूर्णतः तैयार है.

भौतिक और डिजिटल एकीकरण

बैंक अपनी कार्यनीति में सुदृढ़ डिजिटल बुनियादी ढांचे के साथ व्यापक भौतिक उपस्थिति को एकीकृत करती है, जिससे एक हाइब्रिड मॉडल बनता है जो डिजिटल दक्षता की परवाह किए बिना सभी ग्राहक वर्गों की सेवा करता है. यह दृष्टिकोण सुनिश्चित करता है कि जब हम डिजिटल भविष्य को अपनाते हैं, तो हम अपने ग्राहक आधार के किसी भी हिस्से को अलग नहीं करते हैं, जिससे डिजिटल समावेशन को बढ़ावा मिलता है - जो डिजिटल अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण घटक है. भौतिक और डिजिटल चैनलों का लाभ उठाकर, हम ग्राहक पहुँच एवं सुविधा को बढ़ाते हैं, जिससे ग्राहक संतुष्टि तथा विश्वसनीयता बढ़ती है.

वित्तीय कार्यनिष्पादन और ग्राहक जुड़ाव

बैंक के कुल कारोबार में वर्ष-दर-वर्ष 10.31% की वृद्धि हमारे मजबूत ग्राहक संबंधों और प्रभावी जुड़ाव की कार्यनीतियों को दर्शाती है. यह वृद्धि विविध वित्तीय जरूरतों को समझने और उन्हें पूरा करने की हमारी क्षमता को दर्शाती है, जो हमारे ग्राहकों के आर्थिक हित और अर्थव्यवस्था के समग्र संवहनीय विकास में महत्वपूर्ण योगदान देती है. ग्राहक-केंद्रित उत्पादों एवं सेवाओं पर हमारा ध्यान यह सुनिश्चित करता है कि हम ग्राहकों की बदलती जरूरतों के प्रति उत्तरदायी हैं.

अग्रिम और जमा वृद्धि

सकल अग्रिमों में वर्ष-दर-वर्ष 11.73% की वृद्धि संवहनीय पहलों का समर्थन करने, हरित परियोजनाओं को वित्तपोषित करने तथा अर्थव्यवस्था के संवहनीय क्षेत्रों में योगदान करने की हमारी क्षमता को बढ़ाने के लिए हमारी मजबूत स्थिति को दर्शाती है. यह वृद्धि हमारे ग्राहकों के हम पर भरोसे और विश्वास को दर्शाती है, जो संवहनीय विकास को आगे बढ़ाने के लिए हमारी प्रतिबद्धता को बल प्रदान करती है.

इसी तरह, कुल जमाराशियों में वर्ष-दर-वर्ष 9.29% की वृद्धि ग्राहक निधियों को आकर्षित करने और बनाए रखने में हमारी क्षमता को दर्शाती है. यह वृद्धि स्थिर एवं कम लागत वाली जमाराशि आधार को बनाए रखने, हमारे आघात-सहनीयता एवं दीर्घकालिक अवधि में संवहनीय आर्थिक विकास का समर्थन करने की क्षमता को बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण है. कासा (चालू खाता, बचत खाता) जमाराशियों में वर्ष-दर-वर्ष 4.08% की वृद्धि स्थिर एवं लागत प्रभावी वित्तपोषण स्त्रोत बनाए रखने की हमारी क्षमता को और बल प्रदान करती है.

वित्तीय पूंजीगत संसाधनों पर प्रभाव

त्वरित कारोबार वृद्धि ने बैंक के वित्तीय पूंजी संसाधनों को विशेष रूप से बढ़ावा दिया है. जमा और अग्रिमों में संतोषजनक वृद्धि ने हमारे तुलन पत्र को मजबूत किया है, जो भविष्य के विकास के लिए एक ठोस आधार प्रदान करता है. बेहतर ऋण-जमा अनुपात प्रभावी पूंजी उपयोग को इंगित करता है, जिससे हमें चलनिधि बनाए रखते हुए अधिक ऋण देने की अनुमति मिलती है. लाभप्रदता को बनाए रखने और दीर्घकालिक कार्यनीतिक पहलों का समर्थन करने के लिए यह संवहनीयता आवश्यक है. इसके अलावा, वित्तीय वर्ष 2023 में 7.53% से वित्तीय वर्ष 2024 में सकल एनपीए अनुपात में 4.76% की कमी, कड़े जोखिम प्रबंधन आदतों के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करती है, जो वित्तीय स्थिरता बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण है. आस्ति गुणवत्ता में यह सुधार सुनिश्चित करता है कि बैंक आर्थिक अनिश्चितताओं को नेविगेट करने के लिए अच्छी स्थिति में बना रहे और साथ ही साथ संवहनीय विकास करता रहे.

10.31%

वर्ष-दर-वर्ष कुल कारोबार मे वृद्धि, मजबूत ग्राहक विश्वसनीयता और प्रभावी सहभागिता कार्यनीतियों को प्रकट करता है.

डिजिटल परिवर्तन और नवाचार: व्योम ऐप के साथ बैंकिंग में क्रांति लाना और डिजिटल ऋण के माध्यम से ₹8,300 करोड़ से अधिक जुटाना, हमारा डिजिटल परिवर्तन ग्राहक अनुभव और परिचालन दक्षता को बढ़ा रहा है. हमारे भविष्य को आकार देने वाले नवाचारों को जानें.

जीआरआई

201-1, 201-2, 201-3

आस्ति गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने अपनी आस्ति गुणवत्ता में सुधार करने में उल्लेखनीय प्रगति की है, जो बैंक की वित्तीय स्थिति और परिचालन कार्य-कुशलता का एक प्रमुख संकेतक है. पिछले वित्तीय वर्ष में, बैंक ने कार्यनीतिक पहलों और दृढ़ जोखिम प्रबंधन आदतों की एक श्रृंखला को लागू किया है, जिससे गैर-निष्पादित आस्तियों (एनपीए) के स्तर में काफी कमी आई है. बैंक की आस्ति गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार कार्यनीतिक पहलों, प्रभावी जोखिम प्रबंधन और वसूली पर ध्यान केंद्रित करने का प्रमाण है. इन प्रयासों ने बैंक की वित्तीय नींव को मजबूत किया है और इसे भविष्य के विकास के लिए अच्छी स्थिति में रखा है.

सकल एनपीए में कमी और शुद्ध एनपीए में सुधार

दिनांक 31 मार्च, 2024 तक यूनियन बैंक की सकल गैर-निष्पादित आस्तियाँ (जीएनपीए) ₹43,097.73 करोड़ थी, जो 4.76% का जीएनपीए अनुपात दर्शाती है. यह पिछली अवधियों की तुलना में पर्याप्त सुधार दर्शाता है, जो मजबूत तुलन पत्र बनाए रखने और क्रेडिट जोखिम को कम करने के लिए बैंक की प्रतिबद्धता को दर्शाता है. शुद्ध गैर-निष्पादित आस्तियाँ (एनएनपीए) अनुपात में भी उल्लेखनीय सुधार हुआ, जो 31 मार्च, 2024 तक 1.03% पर था. यह कमी बैंक की प्रभावी समाधान कार्यनीतियों और दबावग्रस्त आस्तियों की वसूली और पुनर्वास पर ध्यान केंद्रित करने का प्रमाण है.

कार्यनीतिक वसूली पहल

यूनियन बैंक ने एनपीए की वसूली और समाधान के लिए बहुआयामी दृष्टिकोण अपनाया है. बैंक की प्रमुख कार्यनीतियों में शामिल हैं:

- **कानूनी उपाय:** शीघ्र वसूली के लिए सरफेसी और डीआरटी अधिनियमों के तहत कानूनी उपायों का त्वरित और प्रभावी उपयोग.
- **एनपीए खातों की पुनर्रचना:** व्यवहार्य दबावग्रस्त आस्तियों के पुनर्वास की सुविधा के लिए अनुरूप पुनर्रचना योजनाएं.
- **एकबारगी निपटान (ओटीएस) योजनाएं:** समाधान में तेजी लाने के लिए संदिग्ध और हानि खातों के लिए बातचीत के माध्यम से निपटान और संरचित ओटीएस योजनाएं.

संवर्धित प्रावधान कवरेज और वित्तीय स्थिरता पर प्रभाव

वित्तीय वर्ष 2024 के अंत तक बैंक का प्रावधान कवरेज अनुपात (पीसीआर) बढ़कर 92.69% हो गया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 235 आधार अंक अधिक है. यह मजबूत कवरेज सुनिश्चित करता है कि बैंक एनपीए से संभावित नुकसान के खिलाफ अच्छी तरह से सुरक्षित है, जिससे इसकी वित्तीय स्थिरता और आघात-सहनीयता संवर्धित होती है. आस्ति गुणवत्ता में ये सुधार न केवल बैंक की वित्तीय स्थिरता को बढ़ाते हैं बल्कि हितधारकों का विश्वास भी बढ़ाते हैं. सुदृढ़ आस्ति गुणवत्ता नियंत्रण बनाए रखने और दबावग्रस्त आस्तियों की वसूली और समाधान पर ध्यान केंद्रित करके, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया संवहनीय विकास और एक मजबूत वित्तीय भविष्य सुनिश्चित करता है.

कार्यनीतिक कारोबार वृद्धि: अग्रिमों में 11.73% वृद्धि एवं जमाराशियों में 9.29% की वृद्धि हासिल करते हुए, यूनियन बैंक प्रमुख क्षेत्रों में कार्यनीतिक रूप से विस्तार कर रहा है. सभी क्षेत्रों में संवहनीय कारोबार वृद्धि को आगे बढ़ाने के लिए हमारे दृष्टिकोण के बारे में जानें.

जीआरआई

201-1, 201-2, 201-4

पूंजीगत अनुपात को मजबूत करना

वित्तीय वर्ष 2024 के लिए यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के पूंजी अनुपात में सुधार वित्तीय स्थिरता और आघात-सहनीयता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है. यथा दिनांक 31 मार्च, 2024 तक पूंजी से जोखिम-भारित आस्ति अनुपात (सीआरएआर) वित्तीय वर्ष 2023 में 16.04% से बढ़कर 16.97% हो गया, जबकि सामान्य इक्विटी टियर 1 (सीईटी1) अनुपात वित्तीय वर्ष 2023 में 12.36% से बढ़कर 13.65% हो गया. हमारी पूंजी संरचना में ये वृद्धि हमारे बैंक की मजबूत वित्तीय स्थिति के महत्वपूर्ण संकेतक हैं.

उच्च सीआरएआर यह दर्शाता है कि यूनियन बैंक के पास संभावित नुकसानों को झेलने के लिए पर्याप्त गुंजाइश है, जिससे दीर्घकालिक संवहनीयता सुनिश्चित होती है. सीआरएआर में वृद्धि हमारी मजबूत पूंजी पर्याप्तता को दर्शाती है, जो वित्तीय स्थिरता का एक मूलभूत पहलू है. यह बेहतर अनुपात दर्शाता है कि हमारा बैंक अच्छी तरह से पूंजीकृत है और वित्तीय आपदा या आर्थिक मंदी का सामना करने के लिए बेहतर तरीके से तैयार है.

इसी तरह, सीईटी 1 अनुपात में, जो बैंक की कुल जोखिम-भारित आस्तियों के विरुद्ध उसकी मूल पूंजी का आकलन करता है, वृद्धि हमारे ठोस पूंजी आधार को दर्शाता है. सीईटी1 पूंजी में साधारण शेयर और प्रतिधारित उपार्जन शामिल हैं, जो पूंजी के सबसे अधिक तरल रूप हैं और घाटे की भरपाई करने के लिए आसानी से इस्तेमाल किए जा सकते हैं. बेहतर सीईटी1 अनुपात एक मजबूत पूंजी बफर बनाने और बनाए रखने के लिए हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है, जो संवहनीय बैंकिंग परिचालन के लिए महत्वपूर्ण है.

इन पूंजी अनुपातों की वृद्धि से हमारी वित्तीय नींव मजबूत होती है और ग्राहकों, निवेशकों और नियामकों सहित हितधारकों के बीच विश्वास बढ़ता है. यह सुनिश्चित करता है कि यूनियन बैंक भविष्य में संवहनीय आर्थिक विकास का समर्थन करने के लिए आघात-सह, लाभदायक और हर प्रकार से तैयार है.

शेयरधारक प्रतिलाभ में वृद्धि

वित्तीय संकेतक आस्तियों पर प्रतिलाभ (आरओए) और इक्विटी पर प्रतिलाभ (आरओई) दोनों ही वित्तीय कार्य निष्पादन और कार्य-कुशलता के महत्वपूर्ण उपाय हैं, और उनकी वृद्धि यूनियन बैंक की बढ़ती लाभप्रदता और सफल प्रबंधन कार्यनीतियों को दर्शाती है. वित्तीय वर्ष 2023 में 0.69% से वित्तीय वर्ष 2024 में 1.03% तक आरओए में सुधार उल्लेखनीय है क्योंकि यह आय उत्पन्न करने के लिए अपनी आस्तियों का उपयोग करने में यूनियन बैंक की कार्य-कुशलता को दर्शाता है. उच्च आरओए से पता चलता है कि बैंक लाभ उत्पन्न करने के लिए अपने संसाधनों का अधिक प्रभावी ढंग से आबंटन और उपयोग कर रहा है, जो संवहनीयता के लिए एक आवश्यक कारक है क्योंकि यह बैंक की लाभदायक निवेश करने और शेयरधारकों को मूल्य वापस करने की क्षमता को दर्शाता है.

आस्तियों पर प्रतिलाभ (आरओए) में 0.69% से 1.03% तक का सुधार, आस्ति उपयोग को अनुकूलित करने और आय उत्पन्न करने, प्रभावी संसाधन आबंटन और संवहनीय विकास के लिए लाभदायक निवेश पर ध्यान केंद्रित करने के लिए यूनियन बैंक के प्रयासों को दर्शाता है.

इसके अलावा, आरओई वित्तीय वर्ष 2023 में 13.26% से बढ़कर वित्तीय वर्ष 2024 में 15.58% हो गया, जो दर्शाता है कि यूनियन बैंक शेयरधारकों द्वारा निवेश किए गए धन पर उच्च प्रतिलाभ दे रहा है. बढ़ा हुआ आरओई शेयरधारकों के लिए एक सकारात्मक संकेतक है, जो परिचालन को निधि प्रदान करने में और कारोबार को बढ़ाने के लिए इक्विटी निवेश का उपयोग करने में बैंक की प्रभावशीलता को दर्शाता है, जिससे यह एक आकर्षक निवेश प्रस्ताव बन जाता है.

यूनियन बैंक की वित्तीय मजबूती और अपने शेयरधारकों को लाभप्रद करने की प्रतिबद्धता को प्रकट करते हुए, निदेशक मंडल ने दिनांक 31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष के लिए ₹3.60 प्रति इक्विटी शेयर (36%) का लाभांश देने की सिफारिश की है. यह निर्णय न केवल बैंक की लाभप्रदता को दर्शाता है, बल्कि निरंतर विकास और स्थिरता में इसके विश्वास को भी प्रकट करता है.

यूनियन बैंक के डिजिटल कौशल हेतु बढ़ी हुई लाभप्रदता और संसाधनों का कुशल उपयोग डिजिटल बुनियादी ढांचे, सेवाओं और प्रौद्योगिकियों में निवेश के लिए अधिक अवसर प्रदान करता है, इस प्रकार डिजिटल रूप से उन्मुख बैंकिंग परिदृश्य में इसकी स्थिति मजबूत होती है.

1.03%

31 मार्च, 2024 तक शुद्ध एनपीए अनुपात में 1.03% का सुधार सकल समाधान कार्यनीति और दबावग्रस्त आस्तियों की दर पर ध्यान केंद्रित करने को तैयार है.

जीआरआई

201-1, 201-4

शेयरधारक मूल्य में वृद्धि: पिछले वर्ष ₹2050 करोड़ से बढ़कर ₹3.60 प्रति शेयर लाभांश की घोषणा करते हुए, हम अपने शेयरधारकों को पुरस्कृत करने के लिए प्रतिबद्ध हैं. देखें कि हमारी कार्यनीतिक पहल शेयरधारक मूल्य और लाभप्रदता को कैसे बढ़ा रही है.

जीआरआई

201-1, 201-4

वित्तीय वर्ष 2024 के लिए शेयरधारक संपदा सृजन

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने वित्तीय वर्ष 2024 में अपने शेयरधारकों को असाधारण मूल्य प्रदान किया है, जिससे लगभग 167% का कुल प्रतिलाभ प्राप्त हुआ है. इस कार्यनिष्पादन का श्रेय निम्नलिखित को जाता है:

- स्टॉक मूल्य में पर्याप्त वृद्धि: बैंक के स्टॉक मूल्य में उल्लेखनीय वृद्धि हुई, जिससे समग्र शेयरधारक लाभ प्रभावशाली स्तर पर पहुंच गया.
- लगातार लाभांश भुगतान: नियमित लाभांश भुगतान ने शेयरधारकों को एक स्थिर आय प्रदान की है, जिससे निवेशकों को मूल्य लौटाने के लिए बैंक की प्रतिबद्धता को बल मिला है.
- सक्रिय निवेशक सहभागिता: ट्रेडिंग वॉल्यूम में वृद्धि, निवेशक समुदाय की ओर से सहभागिता और विश्वास के बढ़े हुए स्तर को दर्शाती है, जो बैंक के आकर्षक निवेश प्रस्ताव को उजागर करती है.

वित्तीय वर्ष 2024 में यूनियन बैंक के कार्य निष्पादन से वित्तीय वृद्धि, जोखिम प्रबंधन और संवहनीय विकास पर केंद्रित एक अच्छी तरह से क्रियान्वित कार्यनीति का पता चलता है. इन कारकों ने सामूहिक रूप से अपने शेयरधारकों के लिए महत्वपूर्ण संपदा सृजन में योगदान दिया है, जिससे वित्तीय क्षेत्र में एक ठोस और विश्वसनीय इकाई के रूप में बैंक की स्थिति मजबूत हुई है. यूनियन बैंक इस गति को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है, जो दीर्घकालिक विकास और शेयरधारक मूल्य को बढ़ावा देने वाली कार्यनीतिक पहलों पर ध्यान केंद्रित करता है. वित्तीय कार्य निष्पादन को बढ़ाने और प्रभावी कार्यनीतियों को लागू करने में बैंक के निरंतर प्रयास भविष्य में निवेशकों का निरंतर विश्वास और मजबूत प्रतिलाभ सुनिश्चित करते हैं.

पिछले (3 वर्षों के) परिणामों का मुख्य सारांश

₹ करोड़ में	वित्तीय वर्ष2022	वित्तीय वर्ष 2023	वित्तीय वर्ष 2024	वित्तीय वर्ष में वर्ष-दर-वर्ष 2023	वित्तीय वर्ष 2024 में बदलाव (₹ करोड़ में)
लाभ एवं हानि					
ब्याज आय	67,944	80,743	99,778	23.57%	+19,035
ब्याज खर्च	40,157	47,978	63,208	31.74%	+15,230
शुद्ध ब्याज आय	27,786	32,765	36,570	11.61%	+3,805
गैर-ब्याज आय	12,525	14,633	16,080	9.89%	+1,447
एनआईएम %	2.94	3.07	3.10	3 बीपीएस	
परिचालन लाभ	21,873	25,467	28,211	10.77%	+2,744
कुल प्रावधान	16,641	17,034	14,562	-14.51%	-2,472
कर के बाद लाभ	5,232	8,433	13,648	61.84%	+5,215
तुलन पत्र					
वैश्विक अग्रिम	7,16,408	8,09,905	9,04,884	11.73%	+94,979
घरेलू अग्रिम	6,99,269	7,85,302	8,73,632	11.25%	+88,330
जिसमें से खुदरा	1,36,273	1,59,702	1,77,488	11.14%	+17,786
कृषि	1,33,092	1,51,993	1,83,833	20.95%	+31,840
एमएसएमई	1,10,577	1,25,022	1,35,748	8.58%	+10,726
आरएएम अग्रिम	3,79,942	4,36,717	4,97,069	13.82%	+60,352
जमा	10,32,392	11,17,716	12,21,528	9.29%	+1,03,812
जिसमें से कासा	3,77,193	3,94,055	4,10,134	4.08%	+16,079
खुदरा सावधि जमा (<2 करोड़)	4,43,752	4,38,280	4,51,363	2.99%	+13,083
कासा अनुपात (%)	36.54	35.26	33.58	-168 बीपीएस	
जीएनपीए	79,587	60,987	43,098	-29.33%	-17,889
एनएनपीए	24,303	12,928	8,990	-30.46%	-3,938

अनुपात (%)	वित्तीय वर्ष 2022	वित्तीय वर्ष 2023	वित्तीय वर्ष 2024	वित्तीय वर्ष 2024 में वर्ष-दर-वर्ष बीपीएस	वित्तीय वर्ष 2024 में बदलाव
आस्ति की गुणवत्ता					
जीएनपीए	11.11	7.53	4.76	-277 बीपीएस	
एनएनपीए	3.68	1.70	1.03	-67 बीपीएस	
पीसीआर	83.61	90.34	92.69	235 बीपीएस	
टीपीसीआर	69.46	78.80	79.14	34 बीपीएस	
ऋण लागत	1.74	1.64	0.74	-90 बीपीएस	
पूंजी अनुपात					
सीईटी-1 अनुपात	10.63	12.36	13.65	129 बीपीएस	
टियर-1 अनुपात	12.20	13.91	15.00	109 बीपीएस	
सीआरएआर	14.52	16.04	16.97	93 बीपीएस	

पिछले (3 वर्षों) में कार्यनिष्पादन के रुझान

मेट्रिक	वित्तीय वर्ष 2022	वित्तीय वर्ष 2023	वित्तीय वर्ष 2024
ब्याज स्प्रेड / एडब्लयूएफ	2.50	2.68	2.75
ब्याज आय / एडब्लयूएफ	6.11	6.60	7.51
ब्याज व्यय / एडब्लयूएफ	3.61	3.92	4.76
लागत आय अनुपात	45.74	46.27	46.42
गैर-ब्याज आय / एडब्लयूएफ	1.13	1.20	1.21
परिचालन व्यय / एडब्लयूएफ	1.66	1.79	1.84
सेवांत आस्तियों पर प्रतिफल	0.44	0.66	0.98
सकल (परिचालन) लाभ / एडब्लयूएफ	1.97	2.08	2.12
औसत मालियत पर प्रतिफल	10.98	14.62	18.05
जमा की लागत	4.12	4.37	5.22
औसत आस्तियों पर प्रतिफल	0.47	0.69	1.03
अग्रिम राशि पर प्राप्ति	7.14	7.68	8.73
शुद्ध लाभ में लाभांश भुगतान अनुपात (%)	24.82	24.31	20.14
ऋण जमा अनुपात	69.60	73.74	75.65
टियर II	2.32	2.13	1.97
पूंजी पर्याप्तता अनुपात (बासेल III)	14.52	16.04	16.97
टियर I	12.20	13.91	15.00
प्रति शाखा सकल लाभ (₹ करोड़)	2.49	2.97	3.33
प्रति कर्मचारी सकल लाभ (₹ लाख में)	29.09	33.69	37.18
प्रति शेयर आय (₹)	7.73	12.34	18.95
प्रति शाखा शुद्ध लाभ (₹ करोड़)	0.60	0.98	1.61
शाखाएं (संख्या)	8,792	8,580	8,466
प्रति कर्मचारी शुद्ध लाभ (₹ लाख में)	6.96	11.16	17.99
प्रति शेयर बुक वैल्यू (₹)	75.74	93.05	114.76
प्रति कर्मचारी कारोबार (₹ करोड़)	20.48	23.14	25.37
प्रति शाखा कारोबार (₹ करोड़)	175.18	203.87	227.36
कर्मचारी (संख्या)	75,201	75,594	75,866